Title: Request to make timely payment of old age pension to beneficiaries and inquire the non-payment of pension to a person in Majhuam village of Satna district, Madhya Pradesh.

श्री रामानन्द सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, निराश्रित सहायता पेंशन का भुगतान सम्पूर्ण देश में समय पर नहीं हो रहा है। मध्य प्रदेश में यह निराश्रित सहायता पेंशन तो छह-छह माह तक नहीं बंटती। इसके कारण वृद्धों, विधवाओं और निराश्रितों की कठिनाईयां बढ़ रही है। यह बड़ी भयंकर स्थिति है। मध्य प्रदेश के सतना जिले के विकास खण्ड मझगवां में सलोरा नाम का एक गांव है जहां 80 वर्ा का एक आदिवासी वृद्ध जो कोल जाति का था की भूख से मृत्यु इसलिए हो गई कि उसको छह महीने तक निराश्रित सहायता पेंशन नहीं दी गई। मै चाहता हूं कि भारत सरकार इसकी जांच कराये। वहां पूरा गांव कह रह है कि वह वृद्ध 85 वर्ा का था और उसको छह महीने तक पेंशन नहीं मिली जबकि उसकी मृत्यु के एक महीने के बाद वह पेंशन बांटी गई।

मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि वह निराश्रित सहायता पेंशन समय पर बंटवाने की व्यवस्था करे और इस पेंशन को 150 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिमाह करे। इसके साथ ही मध्य प्रदेश सरकार को साफ हिदायत दे कि वह निराश्रित सहायता पेंशन की राशि दूसरी मदों में खर्च न करे। वहां निराश्रितों की पेंशन सरकारी कर्मचारियों को तन्खवाह बांटने और हवाई जहाज उड़ाने में खर्च की जा रही है। मेरा अनुरोध है कि निराश्रितों पर भारत सरकार कृपा करके उनकी पेंशन बढ़ाये और समय पर उसका भुगतान किया जाये। इसके साथ-साथ विकास खंड मझगवां के सेलौरा गांव में जो आदिवासी वृद्ध मरा है, वह भारत सरकार के लिए निराश्रित सहायता पेंशन योजना के नाम से एक कलंक है। मेरा कहना है कि भारत सरकार इसकी जांच कराकर मध्य प्रदेश सरकार से जवाब तलब करे कि यह पेंशन बांटने में इतना विलम्ब क्यों हो रहा है।